



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 544] नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 10, 1982/अग्राहायण 19, 1904  
No. 544] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 10, 1982/AGRAHAYAN 19, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

## नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1982

का० जा० 846(अ)।—कूक मोटर यान अधिनियम, 1939 (1939 का 4) की धारा 69 (ख) की उपधारा (1) के द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नो का मसौदा जैसा कि उक्त अधिनियम की धारा 133 की उपधारा (1) में उपेक्षित है, भारत सरकार (नौवहन और परिवहन मंत्रालय) की अधिसूचना संख्या टी० उम्पू/टी० जी एम० (26)/82/का०जा० 706(अ) दिनांक 1 अक्टूबर, 1982 के तहत भारत के राजपत्र में भाग II खंड 3 में प्रकाशित किया गया और इन नियमों से प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों से सरकारों राजपत्र में उक्त अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिनों की अवधि के समाप्त होने के पूर्व अपनी अपनी आपत्तियाँ और सुझाव प्रेषित के लिए कहा गया था,

और चूंकि उक्त राजपत्र पहली अक्टूबर, 1982 में जनता के लिए उपलब्ध था,

और चूंकि इस संबंध में प्राप्त आपत्तियाँ और सुझाव पर विचार कर लिया गया है,

1067 GI/82

इमलिए, अब सामान्य खंड अधिनियम, 1897 (1897 का 10) की धारा 22 के साथ पठित मोटर यान अधिनियम, 1939 (1939 का 4) की धारा 69ख के द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार निम्नलिखित नियम बनाती है :—

संक्षिप्त नाम विस्तार और प्रारम्भ

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम परिवहन यान और टावर की सम्बन्धित विनियम, 1982 है।

(2) ये राजपत्र में अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

परिभाषा

2 इन नियमों में जब तक कि कोई बात विषय या संदर्भ के विरुद्ध न हो—

(i) "अधिनियम" में मोटरयान अधिनियम, 1939 (1939 का 4) अभिप्रेत है।

(ii) उन शब्दों और पदों के जिसका इन नियमों में प्रयोग किया गया है किन्तु जिन्हें परिभाषित नहीं किया गया है, वही अर्थ होंगे जो उनके उस अधिनियम में है।

(1)

**मोटर यानों की चौड़ाई—**

3. (1) प्रत्येक मोटर यान की समस्त चौड़ाई जो अंतिम छोरों को घिसाने वाले लंब समरालों के बीच मोटर यान के धुरी के बाह्य कोणों पर मापी गई हो, निम्नलिखित से अधिक नहीं होगी :—

- (i) किसी मोटर यान की दशा में जिसमें किसी सेवा यान का परिवहन यान सम्मिलित नहीं है किन्तु मोटर केबल है, 2.2 मीटर,
- (ii) मोटर केबल से भिन्न किसी सेवा यान या परिवहन यान की दशा में 2.5 मीटर.

परन्तु यह कि मान या यात्री ने जाने वाले स्थानों के अनुकूलन के लिए उपयोग में न लाये गए ट्रैक्टर का दशा में समस्त चौड़ाई का विस्तार 2.7 मीटर तक हो हो सकता है :

परन्तु यह धोर कि यदि किसी राज्य सरकार का यह समाधान हो जाता है कि इस उपनियम में विनिर्दिष्ट चौड़ाई से अधिक चौड़ाई वाला कोई विनिर्दिष्ट यान या यानों का वर्ग किसी सार्वजनिक प्रयोजन के कार्य को करने के लिए उपयुक्त है तो वह राजराज में अधिवृत्त देकर किसी ऐसे यान या यानों के वर्ग को या तो साधारणतया या किसी क्षेत्र का क्षेत्रों में ऐसे मार्ग या मार्गों पर इन नियमों के उपबंधों से जो अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की जाए, जैसी बातों के यदि कोई हो, ध्वनि रहते हुए छूट दे सकती।

**स्पष्टीकरण** इस नियम के प्रयोजनार्थ चाल-6 बांग या दिशा सूचक पर, जब वह कार्यरत हो, मोटर यान की समस्त चौड़ाई मापने के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

(2) उपनियम (i) में किसी भवन के होते हुए भी,—

- (क) राज्य परिवहन प्राधिकरण का अध्यक्ष परिवहन यान से भिन्न किसी ऐसे मोटर यान का जिसमें मोटर केबल सम्मिलित है, और जिसकी समस्त चौड़ाई 2.5 मीटर तक हो उपयोग प्राधिकृत कर सकेगा।
- (ख) गणराज्य प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण या राज्य परिवहन प्राधिकरण या उस प्राधिकरण का अध्यक्ष, यदि उसे इस निमित्त उस प्राधिकरण द्वारा प्राधिकृत किया जाता है तो, ऐसे परिवहन यान का, जिसकी समस्त चौड़ाई 2.5 मीटर हो या किन्तु 2.7 मीटर से अधिक न हो, राज्य के भीतर किसी विनिर्दिष्ट मार्ग या मार्गों पर या विनिर्दिष्ट क्षेत्र या क्षेत्रों में, उपयोग प्राधिकृत कर सकेगा।
- (ग) नगर परिवहन प्राधिकरण इस उपनियम के अधीन कार्यवाही करते हैं वहां वह यान के रजिस्ट्रेशन, प्रमाणपत्र में उस मार्ग या मार्गों की जिन पर या उस क्षेत्र या क्षेत्रों की जिनमें, यान का उपयोग किया जा सकता है, विनिर्दिष्टाई करेंगे।

**मोटर यान की समस्त लम्बाई**

4. (i) ट्रैक्टर का छोड़कर प्रत्येक मोटर यान की लम्बाई निम्न लिखित से अधिक नहीं होगी—

(ii) परिवहन यान या किसी सेवा यान से भिन्न किसी मोटर यान की दशा में जिसमें 2 एकमल से अधिक न हो, 9.5 मीटर यान की दशा में जिसमें दो या दो से अधिक एकमल हों, 10 मीटर.

(iii) किसी संक्षिप्त यान की दशा में जिसमें दो से अधिक एकमल हैं, 10 मीटर :

परन्तु यह कि ऐसे क्षेत्रों में या ऐसे मार्गों पर जो राज्य सरकार इस निमित्त, विनिर्दिष्ट करने, मोटरवा गाड़ी या डेरा की समस्त लम्बाई 2.5 मीटर से अधिक हो सकती है किन्तु 11 मीटर से अधिक नहीं होगी

परन्तु यह धोर कि यदि राज्य सरकार का यह समाधान हो जाता है कि इस उपनियम में विनिर्दिष्ट लम्बाई से अधिक लम्बाई वाला कोई यान या किसी यानों का वर्ग, किसी सार्वजनिक प्रयोजन के कार्य को करने के लिए उपयुक्त है तो राज्य सरकार, अधिवृत्त द्वारा, ऐसे यान या यानों के वर्ग को साधारणतया या ऐसे क्षेत्र या क्षेत्रों में या ऐसे मार्ग या मार्गों पर ऐसी बातों के, यदि कोई हो, जो अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की जाए, ध्वनि रहते हुए इन उपनियमों के उपबंधों से छूट दे सकती।

परन्तु यह भी कि प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण या राज्य परिवहन प्राधिकरण, या उसका अध्यक्ष या उसे, परामर्श, प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण या राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा ही निर्दिष्ट प्राधिकृत किया जाता है तो, राज्य के भीतर विनिर्दिष्ट क्षेत्र या क्षेत्रों पर या विनिर्दिष्ट क्षेत्र में संक्षिप्त यानों में केवल परिवहन यान का जिन का समस्त लम्बाई 9.5 मीटर से अधिक किन्तु 16 मीटर से अधिक न हो उसका प्राधिकृत कर सकेगा जहां कोई परिवहन प्राधिकरण इनके अनुसार कार्य करता है वहां वह यान के रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र में उन मार्ग या उन मार्गों की जिन पर या उस क्षेत्र को जिनमें यान का उपयोग किया जा सकता है, दर्ज करेगा।

(2) किसी ऐसे संक्षिप्त यान या ट्रैक्टर ट्रैक्टर कम्पेनियन की दशा में, जिसका विशेष रूप से निर्माण और उपयोग अन्तर्गत लम्बाई के एकल भारों के प्रवृत्त के लिए किया जाता है—

- (i) यदि यान के सभी पहियों में बातीय टायर नहीं लगे हुए हैं,
- (ii) यदि यान के सभी पहियों में बातीय टायर नहीं लगे हुए हैं उस समय तक जब तक कि यान प्रति घंटे पचीस किमी/मीटर की गति से नहीं चलाया जाता है तो समस्त लम्बाई 18 मीटर तक की हो सकती।

**स्पष्टीकरण** : इस नियम में समस्त लम्बाई से यान के अंतिम बाहरी भाग से गुजरने वाले समानर समतलों के बीच मापी गई यान की लम्बाई अभिप्रेत है जिसमें निम्नलिखित नहीं है—

- (i) कोई स्टार्ट करने वाला ड्रिफ्ट ;
- (ii) कोई कुछ त्रुटि गिरी हुई हों ;
- (iii) यान में लगाई गई टर्न टेबल फावर एक्सेल का भाग रूप कोई सीढ़ी ;
- (iv) कोई बाफवर पत्र शासन जिसकी लम्बाई यान की धुरी के समानर मापी जाने पर 30.5 सेंटीमीटर से अधिक नहीं है ;
- (v) यान की छत से लादने या उतारने के लिए उपयोग की गई कोई सीढ़ी या कोई पुच्छ या सूक नैप यान के साथ लगाई गई लम्बर प्लेट ;
- (vi) कोई अतिरिक्त सील या अतिरिक्त पहिया बॉकेट जो यान में लगाया गया हो ;
- (vii) कोई अनुपयोगी ड्रक या कोई अन्य डिस्टेंड जा इस उपनियम के खंड (iii) या (iv) के अंतर्गत आने वाले किसी फिटमेंट के बाहर न हो,

**5. मोटर यानों की समस्त ऊंचाई**

जबकि डेक वाले मोटर यान से भिन्न मोटर यान की समस्त ऊंचाई उस सतह से मापी जाने पर जिस पर वह खड़ी हो 3.8 मीटर से अधिक नहीं होगी।

(2) डेक-लेक वाले मोटर यान की समस्त ऊंचाई 7.75 मीटर से अधिक नहीं होगी।

(3) यह नियम फायर एस्केपों, नगर बेगनों तथा अन्य विशेष प्रवाही यानों को जिन्हें रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के सञ्चालन या विवेक आदेश द्वारा छूट प्राप्त है, लागू नहीं होगा।

#### 6. मोटर यानों का प्रलम्बन

(1) ट्रेक्टर का प्रलम्बन 1.05 मीटर से अधिक नहीं होगा।

(2) ट्रेक्टर से भिन्न मोटर यान का प्रलम्बन, मोटर यान की धुरी के, जो सामने वाले पहिये या पहियों के मध्य भाग या मध्य भागों के बीच से होकर और उस उल्लिखित समतल जिसने प्रलम्बन को मापा जाता है, गुजरती है, समतल संघ के बीच की धुरी के जैसा कि उपनियम (2) में परिभाषित है, सात प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

परन्तु यह कि राज्य सरकार, किसी मोटर यान या मोटर यानों के वर्ग को ऐसे क्षेत्र या क्षेत्रों में या ऐसे मार्ग या मार्गों पर और ऐसी बातों के अधीन रहते हुए, यदि कोई हों, जो आदेश में विनिर्दिष्ट की जाएं, इस उपनियम के उपबन्धों से छूट दे सकेंगे, यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि उपनियम में यथा विनिर्दिष्ट प्रलम्बन से अधिक प्रलम्बन वाले मोटर यान या मोटर यानों के वर्ग का उपभाग, सार्वजनिक स्थान में जन सुरक्षा के लिए बिना खतरों के किंवा जहाँ सकता है।

स्पष्टीकरण—इस नियम के प्रयोजनार्थ “प्रलम्बन” से बायें कोनों पर दो उल्लिखितों के बीच यान की रेखांश धुरी के अक्ष और समानान्तर रूप से परिभाषा के कमरा पैरा I और II में विनिर्दिष्ट विन्दुओं के बीच से गुजरने वाली ऐसी धुरी के बीच मापी गई धुरी अभिप्रेत है।

1. यान के सबसे पिछला भाग में निम्नलिखित नहीं होगा—

- (i) गिरि हुई होवू में कोई हुब, जो,
- (ii) कोई आकार पत्र बाधक, जिसकी लम्बाई यान की रेखांक धुरी के समांतर मापी जाने पर तीस सेंटीमीटर से अधिक न हो,
- (iii) यान के साथ लगायी गयी टर्न टेबुल फायर एस्केप का भाग रूप कोई सीढ़ी,
- (iv) यान की छत से लावने उतारने के लिए उपयोग की जाने वाली सीढ़ी जब यान खड़ा हो, या यान में लगाई गई पृष्ठ लैप अथवा नम्बर प्लेट,
- (v) यान के साथ फिट किया गया अतिरिक्त पहिया या अतिरिक्त पहिया ब्रेकेट,
- (vi) मोटर यान के साथ फिट किया गया सामान वाहन जो यात्रियों और उनके सामानों को ढोने के लिए प्रत्यक्ष रूप से निर्मित हो और आलक को छोड़ कर सात से अधिक यात्रियों के लिए अनुकूल हो,
- (vii) कोई अनुकूलन हुक का अन्य फिटमेंट जो ऊपर खंड (ii) से (vi) में उल्लिखित किसी फिटमेंट के बाहर प्रमाणित न हो, परन्तु यह कि मजिली गाड़ी की दशा में।
- (क) यान के पिछले भाग में फिट किये गए श्वर या विज्ञापन पैनल का प्रक्षेप 15 सेंटीमीटर से अधिक नहीं होगा।
- (ख) विज्ञापन पैनल की बाह्य प्ररूप ऐसा न होगा जिनसे कि पिछला भाग को देखने वाले वर्ण से देखने में या पिछले भाग में आपात निकास से होकर निकलने में या दोनों में बाधा उत्पन्न हो।
- (i) उस मोटर यान की दशा में जिसमें केवल दो एक्सल हैं और जिनमें से एक स्टीरिंग एक्सल नहीं है उस एक्सल को मध्य बिन्दु, या

(ii) उस मोटर यान की दशा में जिसमें केवल तीन एक्सल हैं और जिसमें केवल सामने वाला एक्सल स्टीरिंग एक्सल है वहाँ पिछले भाग की मध्य बिन्दु और मध्य एक्सल को जोड़ने वाली सीढ़ी रेखा के पिछले भाग में 102 मिलीमीटर पर एक बिन्दु, या

(iii) किसी अन्य मामले में यान की रेखांशीय धुरी पर स्थित बिन्दु और इस प्रकार कि उस धुरी पर बायें कोण पर हम से खींची गई रेखा यान के शून्यतः मुड़ने वाले वृत्त के मध्य से गुजरेंगी।

(ii) 1 अप्रैल, 1940 के प्रथम दिन के पूर्व भारत में रजिस्ट्रीकृत किसी मोटर यान की दशा में यह पर्याप्त होगा कि प्रलम्बन यान की समस्त लम्बाई के 7/24 से अधिक नहीं है।

#### 7. मजिली गाड़ी का पार्श्व प्रलम्बन

मजिली गाड़ी के रूप में उपयोग किए जाने वाले यान की दशा में दिशा सूचक से भिन्न यान का कोई भाग, जब यान चालू हालत में हो या पार्श्व दर्पण एकल पिछले पहियों की दशा में पिछले पहियों की मध्य रेखा से 355 मिलीमीटर से अधिक पार्श्व में बाहर प्रक्षिप्त नहीं होगा या ट्रेब पिछले पहियों की दशा में बाहरी टायरों के अंतिम बाहरी छोर से 152 मिलीमीटर से अधिक बाहर नहीं होगा।

#### 8. वतोंवृत्त :

प्रत्येक मोटर यान का निर्माण इस प्रकार किया जाना कि जिससे उसे व्यास में 24.4 मीटर से अधिक न्यूनतम मोड़ वृत्त में किसी भी दिशा में मोड़ा जा सके। इस नियम के प्रयोजनार्थ ऐसे व्यास का निर्धारण, भूमि स्तर पर पहिलया ट्रक के अंतिम बाहरी छोर के प्रतिनिर्देश से अवधारित किया जाएगा।

9. टायरों के आकार और उनकी किस्म के बारे में नियम अलग से अधिसूचित किए जाएंगे।

[फा० सं० टी० डब्ल्यू०/टी०जी०एम (26)/82]

गोविन्द जी मिश्र, संयुक्त सचिव

### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

#### (Transport Wing)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 10th December, 1982

**S.O. 846(E).**—Whereas the draft rules in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 69 (B) of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939) were published as required by sub-section (1) of section 133 of the said Act in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated 1st October, 1982, under notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) TW/TGM (26)/82 S.O. No. 706 (E), dated 1st October, 1982, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of a period of 30 days from the date of publication of the said notification in the official Gazette.

And whereas, the said Gazette was made available to the public on the 1st day of October, 1982.

And whereas, objections or suggestions received in matter have been considered.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 69B of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939) read with section 22 of the general clauses Act 1897 (X of 1897), the Central Government hereby makes the following rules :—

1. Short Title, Extent and Commencement.—

(1) These rules may be called overall Dimensions of Transport Vehicles and tyres Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definition.—In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context :—

(i) “Act” means the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939).

(ii) The words and expressions used, but not defined in these rules, but defined in Motor Vehicles Act, 1939, shall have the meanings assigned to them in that Act.

3. Overall width of motor vehicles.—(1) The overall width of every motor vehicle measured at right angles to the axis of the motor vehicle between perpendicular planes enclosing the extreme points shall not exceed,—

(i) in the case of any motor vehicle excluding a public service vehicle or a transport vehicle but including a motor cab, 2.2 metres;

(ii) in the case of a public service vehicle or a transport vehicle other than a motor cab, 2.5 metres.

Provided that in the case of a tractor not used for towing trailers carrying goods or passengers the overall width may extend to 2.7 metres :

Provided further that if the State Government is satisfied that a particular vehicle or class of vehicles having overall width in excess of the width specified in this sub-rule is found suitable for carrying out any work of public purpose, the State Government may, by notification in the official gazette, exempt from the provisions of this rule such a vehicle or class of vehicles either generally or in such area or areas on such route or routes and subject to such conditions, if any, as may be specified in the notification.

Explanation.—For the purpose of this rule, a driving mirror or a direction indicator, when in operation, shall not be taken into consideration in measuring the overall width of a motor vehicle.

(2) Notwithstanding anything in sub-rule (1),— (a) the Chairman, State Transport Authority may authorise the use of a motor vehicle

other than a transport vehicle but including a motor cab with overall width upto 2.5 metres;

(b) The Regional Transport Authority or the State Transport Authority, as the case may be, or the Chairman of that authority, if authorised in this behalf by that authority, may authorise the use of transport vehicles having an overall width exceeding 2.5 metres but not exceeding 2.7 metres on a specified route or routes or in a specified area within the State;

(c) Where a transport authority takes action under this sub-rule, it shall enter in the certificates of registration of the vehicle particulars of the route or routes on which or the area in which the vehicle may be used.

4. Overall length of motor vehicles.—(1) The overall length of every motor vehicle other than a trailer shall not exceed,—

(i) in the case of any motor vehicle other than a transport vehicle or a public service vehicle, having not more than 2 axles, 9.5 metres;

(ii) in the case of a transport vehicle or a public service vehicle, having two or more axles, 11 metres.

(iii) in the case of an articulated vehicle having more than two axles, 16 metres;

(iv) in the case of truck trailer combinations, 18 metres.

Provided that in such areas or on such routes as the State Government may specify in this behalf, an overall length of a public service vehicle may exceed 11 metres but shall not exceed 12 metres :

Provided further that if the State Government is satisfied that a particular vehicle or class of vehicles having overall length in excess of the length specified in this sub-rule is found suitable for carrying out any work of public purpose, the State Government may, by notification in the official gazette, exempt from the provisions of this sub-rule vehicle or class of vehicles either generally or in such area or areas or on such route or routes and subject to such conditions, if any, as may be specified in the notification:

Provided also that the regional Transport Authority or the State Transport Authority, or its Chairman, if authorised in this behalf by the Regional Transport Authority or State Transport Authority as the case may be may authorise the use of a transport vehicle other than the articulated vehicle having an overall length exceeding 11 metres but not exceeding 16 metres on a specified route or routes, or in a specified area within the State. Where a Transport Authority takes action accordingly, it shall enter in the certificate or registration of the vehicle the route or routes on which of the area in which the vehicle may be used.

(2) In the case of an articulated vehicle or a tractor trailer combination specially constructed and used for the conveyance of indivisible loads of exceptional length,—

- (i) if all the wheels of the vehicle are not fitted with pneumatic tyres, or
- (ii) if all the wheels of the vehicle are not fitted with pneumatic tyres so long as the vehicle is not driven at a speed exceeding twentyfive kilometres per hour, the overall length may extend upto 18 metres.

Explanation.—In this rule, “overall length” means the length of the vehicle measured between parallel planes passing through the extreme projection points of the vehicle exclusive of—

- (i) any starting handle;
- (ii) any hood when down;
- (iii) any ladder forming part of a turn table fire-escape fixed to a vehicle;
- (iv) any post office letter box the length of which measured parallel to the axis of the vehicle does not exceed 30.5 centimetres;
- (v) any ladder used for loading or unloading from the roof of the vehicle, or any tail or indicator lamp or number plate fixed to a vehicle;
- (vi) any spare wheel or spare wheel bracket or bumper fitted to a vehicle;
- (vii) any towing hook or other fitment which does not project beyond any fitment covered by clauses (iii) to (vi) of this sub-rule.

5. Overall height of motor vehicles—(1) The overall height of a motor vehicle other than a double-decked motor vehicle measured from the surface on which the motor vehicle rests shall not exceed 3.8 metres.

(2) The overall height of a double-decked motor vehicle shall not exceed 4.75 metres;

(3) The overall height of the laden trailer when carrying ISO series I Freight Container shall not exceed 4.2 metres.

(4) This rule shall not apply to fire-escapes town-wagons and other special purpose vehicles exempted by the general or special order of the registering authority.

6. Overhang of motor vehicles —(1) The overhang of a tractor shall not exceed 1.85 metres.

(2) The overhang of a motor vehicle other than a tractor shall not exceed sixty percent of

the distance between the plane perpendicular to the axis of the motor vehicle which passes through the centre or centres of the front wheel or wheels and the foremost vertical plane from which the overhang is to be measured as defined in sub-rule (3);

Provided that the State Government may exempt from the provisions of sub-rule any motor vehicle or class of motor vehicles in such area or areas or on such route or routes and subject to such conditions, if any, as may be specified in the order, if it is satisfied that such vehicle or class of vehicles having an overhang in excess of that specified in this sub-rule can be used in a public place without any danger to public safety.

(3) For the purposes of this rule, “overhang” means the distance measured horizontally and parallel to the longitudinal axis of the vehicle between two vertical planes at right angles to such axis passing through the two points specified in paragraphs I and II of this definition, respectively.

1. The rearmost point of the vehicle exclusive of —

- (i) any hood when down;
- (ii) any post office letter-box, the length of which measured parallel to the longitudinal axis of the vehicle does not exceed thirty centimetres;
- (iii) any ladder forming part of a turntable fire-escape fixed to a vehicle;
- (iv) any ladder used when the vehicle is at rest for loading or unloading from the roof of the vehicle, or any tail lamp or number plate fixed to a vehicle;
- (v) any spare wheel or spare wheel bracket fitted to a vehicle;
- (vi) any luggage carrier fitted to a motor vehicle, constructed solely for carriage of passengers and their effects and adapted to carry not more than seven passengers exclusive of the driver;
- (vii) any towing hook or other fitment which does not project beyond any fitment mentioned in clauses (ii) to (vi) above;

Provided that, in the case of a stage carriage —

- (a) the projection of any bumper or advertisement panel fitted at the rear of the vehicle shall not exceed 15 centimetres; and
- (b) the projection in respect of an advertisement panel shall not be such as to obstruct either the vision from the rear view mirror or project through the emergency exit at the rear or both.

- II.(i) In the case of motor vehicle having only two axles, one of which is not a steering axle, the centre point of that axle, or
- (ii) In the case of a motor vehicle having only three axles where the front axle is the only steering axle; a point 102 millimetres in rear of the centre of a straight line joining the centre points of the rear and middle axle, or
- (iii) In any other case a point situated on the longitudinal axis of the vehicle and such that a line drawn from it at right angles to that axis will pass through the centre of the minimum turning circle of the vehicle.
- (iv) In the case of any motor vehicle registered in India before the first day of April 1940, it shall suffice if the overhang does not exceed  $\frac{7}{24}$ th of the overall length of the vehicle.
- (v) In case of a motor vehicle having only three axles where two front axles are steering axles, the centre point of rear most axle.
- (vi) In case of a motor vehicle having four axles where two front axles are steering axles, a point 102 mm in rear of the centre of a straight line joining the centre points of the rear-most two axles.
7. Side Overhang of stage carriages.—In the case of vehicle used as a stage carriage, no part of the vehicle other than a direction indicator when in operation, or a driving mirror shall project laterally more than 355 millimetres beyond the centre line of the rear wheels in the case of single rear wheels or more than 152 millimetres beyond the extreme outer edge of the outer tyres in the case of dual rear wheels.
8. Turning Circle.—Every motor vehicle shall be so constructed as to be capable of turning in either direction in a minimum turning circle not exceeding 24.4 metres in diameter. For the purposes of this rule, such diameter shall be determined by reference to extreme outer edge of the wheel track at ground level.
9. The rules regarding size and nature of tyres will be notified separately.

[F. No. TW/TGM(26)/82]  
GOVINDJEE MISRA, Jt. Secy.